www.eetes.org

English express
"THE EXCEPTIONAL SCHOOL"
Play and Learn

Ist floor , adjacent to M Shahi Mahal
Kidwai Nagar opp My City Hospital Meerut City, Uttar Pradesh, India 250002Email:
info@eetes.org Contact: +91-121-3588943

स्कूल में अनुशासन का महत्व और स्कूल के नियमों का पालन Ref. ntcsrn2/9/2661phin

डियर पेरेंट्स,

"इस्लाम में दीन आज्ञापालन और जवाबदेही की पूरी प्रणाली है, जिससे जीवन में अनुशासन अपने-आप विकसित होता है।" नमाज़ हमें समय की पाबंदी, व्यवस्था और आत्म-नियंत्रण सिखाती है। जब दीन हमें पूरी ज़िंदगी में अनुशासन सिखाता है, तो वही अनुशासन हमें स्कूल के नियमों और बच्चों की पढ़ाई में भी अपनाना चाहिए। अगर हम खुद स्कूल से जुड़े नियमों का पालन नहीं कर सकते और अनुशासन में नहीं रहते, तो हम अपने बच्चों को अनुशासन कैसे सिखा सकते हैं? जब हम खुद अनुशासित नहीं होंगे, तो बच्चों से अनुशासन की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

यह एक सच्चाई है कि कोई भी स्कूल बिना अनुशासन के सही तरीके से नहीं चल सकता। अनुशासन शिक्षा की बुनियाद है। जैसे जीवन के लिए दिल की धड़कन ज़रूरी होती है, वैसे ही बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य के लिए अनुशासन ज़रूरी है। **इंग्लिश एक्सप्रेस "द एक्सेप्शनल स्कूल"** का उद्देश्य पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में सही आदतें, जिम्मेदारी और अच्छा व्यवहार विकसित करना है।

हम उन पैरेंट्स का धन्यवाद करते हैं जो स्कूल के नियमों को समझते हैं और उनका पालन करते हैं—अपने बच्चों को समय पर स्कूल भेजते हैं, सही स्कूल ड्रेस पहनाते हैं, घर का काम पूरा करवाते हैं और स्कूल के सिस्टम का सम्मान करते हैं। ऐसे पैरेंट्स का सहयोग स्कूल के लिए बहुत कीमती है, और ऐसे बच्चों एवं उनके पैरेंट्स को समय-समय पर स्कूल की ओर से सम्मान और प्रोत्साहन दिया जाएगा।

यह बात बिल्कुल साफ़ है और दोबारा याद दिलाना ज़रूरी है कि **स्कूल के सभी नियम**

- **स्कूल की वेबसाइट पर साफ़-साफ़ लिखे हुए हैं,**
- **एडमिशन फॉर्म भरते समय पैरेंट्स को बताए जाते हैं,**
- **और बच्चे का एडमिशन होने से पहले पूरा शेड्यूल और नियम समझाकर बताए जाते हैं।**

इन नियमों से कोई भी पैरेंट अनजान नहीं है।

स्कूल को ठीक से चलाने के लिए नीचे लिखे नियमों का पालन सभी के लिए ज़रूरी है, सभी नियम नहीं है सिर्फ कुछ मोटे मोटे नियम लिखे हैं

- बच्चों का समय पर स्कूल आना
- तय किए गए गेट से स्कूल में आना
- परीक्षा और कक्षा में कराया गया काम लिखी कापियाँ नियमित भेजना
- पूरी और सही स्कूल ड्रेस पहनकर आना
- घर का दिया हुआ काम समय पर पूरा करना

- स्कूल की फीस समय पर जमा करना
- एडमिशन के समय और वेबसाइट पर बताए गए सभी नियमों का पालन करना

इन नियमों से स्कूल में अच्छा, सुरक्षित और पढ़ाई का माहौल बना रहता है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि कुछ पैरेंट्स बार-बार इन नियमों की अनदेखी करते हैं। बच्चे देर से स्कूल आते हैं, फीस देर से दी जाती है, और जब इस बारे में बात की जाती है तो अपनी गलती मानने के बजाय कुछ पैरेंट्स स्कूल आकर स्टाफ या टीचर्स से बदतमीजी करते हैं।

यह समझना बहुत ज़रूरी है कि **अपनी गलती मान लेना कमज़ोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।** देर से आना किसी वजह से हो सकता है, लेकिन उसे स्वीकार करना और शांति से बात करना बच्चों के लिए अच्छा उदाहरण होता है। इसके उलट गुस्सा करना, ऊँची आवाज़ में बात करना या गलत व्यवहार करना न सिर्फ़ स्कूल के माहौल को खराब करता है, बल्कि बच्चों को भी गलत सीख देता है। अक्सर ऐसे पैरेंट्स बाद में खुद महसूस करते हैं कि इस तरह के व्यवहार से समस्या हल नहीं होती।

स्कूल बच्चों को अनुशासन, सम्मान और जिम्मेदारी सिखाने की जगह है। जब पैरेंट्स भी स्कूल के साथ मिलकर समझदारी और शांति से नियमों का पालन करते हैं, तब बच्चों की परवरिश सही दिशा में होती है। लेकिन जब नियमों को हल्के में लिया जाता है और अपनी गलती स्वीकार नहीं की जाती, तो स्कूल का सिस्टम प्रभावित होता है और बच्चों में भ्रम पैदा होता है। ऐसी स्थिति में स्कूल को व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़रूरी कदम उठाने पड़ते हैं।

अनुशासन ही किसी भी स्कूल को मजबूत और सफल बनाता है। यह बच्चों को पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करता है और उन्हें ज़िंदगी के लिए तैयार करता है। एक अनुशासित स्कूल वही होता है जहाँ बच्चे अच्छे विद्यार्थी होने के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बनते हैं।

इसलिए जो पैरेंट्स स्कूल के नियमों का पालन करने में असमर्थ हैं, उनसे स्पष्ट रूप से अनुरोध है कि वे **28 फ़रवरी 2026 तक स्कूल ऑफिस में अपने बच्चे का नाम हटाने के लिए आवेदन करें। इस तारीख के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो पैरेंट्स ट्रांसफ़र सर्टिफिकेट (टी.सी.) लेना चाहते हैं, वे भी इसी तारीख तक आवेदन करें।** यह निर्णय किसी को डराने के लिए नहीं, बल्कि स्कूल को व्यवस्थित, शांत और अनुशासित बनाए रखने के लिए लिया गया है।

आइए, अपनी सुविधा से ऊपर बच्चों की शिक्षा, अनुशासन और उनके भविष्य को रखें और स्कूल के साथ मिलकर सही माहौल बनाएं।

स्कूल अध्यक्ष

एम. आरिफीन

हस्ताक्षर

10/2/26

09/02/2026

स्कूल प्रधानाचार्य

सुश्री नायमा

हस्ताक्षर